Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 42 , 05 नवम्बर, रविवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

शर्मनाक: जिंदा पति को बताया मरा फिर बेच डाली उसकी पत्नी

अमरोहा। अमरोहा के थाना डिडौली में शुक्रवार को एक अजीब मामला दर्ज हुआ। जिंदा पति को मरा बताकर पांच लोगों ने उसकी पत्नी को बरेली जनपद के आंवला में बेच दिया। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर हुई है। थाना डिडौली कोतवाली के गांव तोफापुर निवासी नीरज की शादी सात वर्ष पूर्व जोया कस्बे के चौकीदारान मोहल्ले में अंजली के साथ हुई। जिससे तीन बेटी व एक बेटा है। पति से मन मुटाव होने के कारण अंजली दो वर्षीय बेटी कशिश को लेकर मायके चली गई। इस दौरान बाद ससुराल वालों ने मुरादाबाद में अनुबंध तैयार कराया, जिसमें नीरज को मृत दिखाया। रिपोर्ट में कहा गया कि नीरज को पता चला कि ससुराल वालों ने उसकी बेटी को भी मार दिया है। कुछ दिन बाद वह पत्नी को लेने मुरादबाद गया। आरोप है कि उन्होंने अंजली को भेजने से इंकार कर गाली गलौच तथा मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। कह दिया कि उन्होंने अंजली की शादी दूसरी जगह कर दी है। ससुराल वालों ने अंजली को आंवला के सोना गांव निवासी रामाशंकर को बेच दिया। नीरज ने डिडौली कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। आरोप है कि पुलिस ने टाल मटौल करते हुए कार्रवाई नहीं की। जिस पर उसने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने ससुर कुंवरपाल, साले प्यारे, शिवकुमार, साढ़ू निरंकार और इसके बेटे के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कराया गया।

1857 की क्रांति की याद दिलाएगा यह खास महोत्सव, दिसंबर के दूसरे हफ्ते में होगा आयोजित

कानपुर। दिसंबर के दूसरे सप्ताह में होने वाले बिठूर महोत्सव में 1857 क्रांति की यादें ताजा होंगी। इसकी तैयारी प्रशासन ने युद्धस्तर पर शुरू कर दी है। इसमें हस्तशिल्प मेला, कव्वाली, भजन, मार्शल आर्ट व स्वच्छता गंगा गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी निरीक्षण के दौरान कमिश्नर पीके महान्ति ने दी। कमिश्नर के साथ शुक्रवार को डीएम सुरेंद्र सिंह, केडीए वीसी विजेंद्र पांडियन और एसएसपी अखिलेश कुमार मीणा ने बिठूर स्थित नानाराव पेशवा पार्क में आयोजित होने वाले बिठूर महोत्सव की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि बिठूर में और अधिक पर्यटन विकास की संभावनाए हैं। उनकी भी कार्य योजना तैयार होगी। प्रबंध निदेशक पर्यटन विकास निगम भी अगले सप्ताह कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करेंगे। इसमें लोक संस्कृति कार्यक्रम से लेकर कई रंगारंग विभिन्न संस्कृतियों के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। डीएम ने कहा कि कार्यक्रम के खर्च का इस्टीमेट भी जल्द से जल्द तैयार कर लिया जाएगा। जनता की सुविधा के लिए परिवहन व्यवस्था दुरुस्त होगी।

गैर सरकारी लोग भी बन सकेंगे हज सेवक!

हज कमेटी आफ इंडिया ने केन्द्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास को भेजा प्रस्ताव

लखनऊ (एसएनबी)। अगले साल से हज यात्रियों की खिदमत के लिए सऊदी अरब जाने वालों में गैरसरकारी लोगों को भी मौका मिल सकता है। अभी तक सिर्फ सरकारी कर्मचारी ही खादिमुल हुज्जाज के तौर पर हाजियों की सेवा के लिए भेजे जाते थे, लेकिन नयी हज पालिसी में यह शामिल किया गया है कि 50 प्रतिशत हज सेवक सरकारी कर्मचारी और 50 प्रतिशत हज सेवक गैर सरकारी भेजे जाएं। नयी हज पालिसी को अंतिम रूप देने के लिए मुंबई में आयोजित पूरे देश की राज्य हज कमेटियों की बैठक में गैर सरकारी हज सेवकों को सऊदी अरब भेजने का मामला भी उठा। इस प्रस्ताव का न सिर्फ देश की सभी राज्य समितियों ने पुरजोर वकालत की।

गाजियाबाद स्टाम्प घोटाला हाईकोर्ट ने पूछा, बड़े अफसरों पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई

इलाहाबाद। हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव आवास की कार्यवाही की रिपोर्ट को संतोषजनक नहीं माना। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा प्लाट आवंटन में स्टाम्प घोटाले के दोषियों पर कार्यवाही कर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। प्रमुख सचिव ने हलफनामा दाखिल कर बताया कि दो लिपिकों को निलंबित किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। इस पर कोर्ट का कहना था कि बड़े अधिकारियों पर कार्यवाई क्यों नहीं की गयी। कोर्ट ने प्रमुख सचिव से कार्यवाही रिपोर्ट के साथ 22 नवम्बर को हलफनामा मांगा है।

सेना की एम्बुलेंस लेकर भाग रहा था जवान, पुलिस ने धरदबोचा

इलाहाबाद। इलाहाबाद कैंट से सेना की एम्बुलेंस लेकर भागा लद्दाख में तैनात सेना का जवान कानपुर के सचेंडी में पकड़ा गया। फतेहपुर से पुलिस ने उसका पीछा किया तो कई बैरियर तोड़ता हुआ भागा, सडेंडी में चकरपुर मंडी के सामने आड़े-तिरछे वाहन खड़े करके उसको रोका गया।

पकड़े जाने के बाद पुलिस और सैन्य अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं, वह बार-बार अपना नाम बदल रहा है, उसके आतंकी गतिविधियों में शामिल होने की आशंका जतायी जा रही है।

लद्दाख में तैनात सेना का जवान वहां से अनाधिकृत रूप से इलाहाबाद पहुंचा था और शनिवार सुबह पांच बजे सेना की एम्बुलेंस लेकर भाग निकला।

फतेहपुर में औंग थाने से पहले 100 डॉयल के सिपाही धर्मेंद्र को सेना के वाहन को सादी वर्दी में ले जाते युवक पर शक हुआ तो उसने अकेले ही संदिग्ध का पीछा करना शुरू कर दिया।

इस पर उसने पहले फतेहपुर के औंग थाने का बैरियर तोड़ा उसके बाद कानपुर सीमा में महराजपुर थाने और फिर रूमा चैकी का बैरियर तोड़ता हुआ भागा। इस बीच सूचना आला अफसरों को इसकी सूचना हो गयी। हाईवे पर भारी संख्या में पुलिस लगा दी गई, लेकिन संदिग्ध युवक पुलिस को धता बताते हुए तेजी से वाहन भगाता हुआ आगे भागने लगा।

चकेरी पुलिस ने सचेंडी थाने से संपर्क किया और चकरपुर मंडी में वाहन लगवाकर संदिग्ध को पकडने का प्लान बनाया गया। सचेंडी पुलिस तुरंत सक्रिय हुई और चकरपुर मंडी के सामने हाईवे पर वाहनों को आड़ा-तिरछा खड़ा कर रास्ता रोक दिया गया।

संदिग्ध युवक ने रास्ता बंद देख सेना का वाहन जैसे ही धीमा किया पुलिस ने घेराबंदी करके उसे दबोच लिया। उसे सचेंडी थाने लाया गया जहां संदिग्ध से पूछताछ जारी है। उसने पहले अपना नाम राजस्थान निवासी संजीत सिंह लेकिन बाद में बार-बार अपना नाम बदलने लगा। इस बीच सूचना पहुंचने पर सेना के अधिकारी भी थाने पहुंच गए।

पूछताछ में स्पष्ट हुआ कि वह लद्दाख से भागा हुआ सेना का ही जवान है, सेना की एम्बुलेंस उसने क्यों चुरायी और उसको कहां किस मकसद से ले जा रहा था इसको लेकर पूछताछ जारी है। खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हो गयी हैं।

कर्नल ने आरोपी के खिलाफ दर्ज कराया मुकद्दमा-

इलाहाबाद छावनी के कर्नल एम के अमर सिंह ने एम्बुलेंस लेकर भागने के मामले में मुकदमा दर्ज कराया है। कर्नल के अनुसार राजस्थान का रहने वाला सैनिक सर्वजीत चौधरी 2016 में इलाहाबाद मिलिट्री हॉस्पिटल में बतौर नर्सिंग असिस्टेंट तैनात था।

इसके बाद उसकी पोस्टिंग जम्मू एंड कश्मीर में हो गई। वह इलाहाबाद छुट्टी लेकर आता रहा। उसने अपने साथियों से बताया था कि बैंक ट्रांजेक्शन संबंधी कुछ समस्या है इसके लिए वो परेशान है । शनिवार सुबह सर्वजीत चौधरी सेना के हॉस्पिटल पहुंचा और वहां से एंबुलेंस लेकर निकल गया।

गेट पर मौजूद संतरी ने सर्वजीत को गाड़ी लेकर जाने से रोकने की कोशिश की तो उसने उस पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की संतरी सर्वजीत को पहचान गया और अपने अधिकारियों को सूचना दी । कर्नल अमर सिंह ने पुलिस को सूचना दी। इस बीच कैंट थाने से पुलिस की एक टीम और मिलिट्री के अधिकारी कानपुर के लिए रवाना हो गये हैं।

फ्लाईओवर के नीचे 2 महिलाओं की ट्रेन से कटकर मौत, मौके पर पहुंची पुलिस

कानपुर। कानपुर: फ्लाईओवर के नीचे 2 महिलाओं की ट्रेन से कटकर मौत, मौके पर पहुंची पुलिस कानपुर के चकेरी थानाक्षेत्र के रामादेवी फ्लाईओवर के नीचे रेलवे ट्रैक पर शनिवार तड़के दो युवतियों की संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन से कटकर मौत हो गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल दोनो मृतकाओं की शिनाख्त नही हो पाई है। शनिवार तड़के लगभग 4 बजे रेलवे ट्रैक पर दो युवतियों के शव पड़े मिलने से सनसनी फैल गई। मौके से गुजरने वाले लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शवों की शिनाख्त के प्रयास किया लेकिन पहचान नही हो पाई। वहीं पुलिस के अनुसार एक युवती कि उम्र लगभग 18 तो दूसरी की 22 वर्ष है।

5 साल से कमरे में बंद थीं मां-बेटी

जब खिड़की के रास्ते पुलिस अंदर पहुंची तो...

नई दिल्ली। बंगाल पुलिस ने पिछले दिनों एक घर के कमरे से 36 वर्षीय महिला और उसकी 11 साल की बेटी को बचाया। महिला के पति पर आरोप है कि उसने दोनों को पांच साल से कमरे में बंद कर रखा था।

पुलिस ने जब खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो गंदगी देखकर दंग रह गई। यह घटना कोलाकाता से 210 किलोमीटर दूर स्थित मुर्शीदाबाद जिले के जांलांगी इलाके की है।

जिस कमरे में दोनों को बंद करके रखा गया था, उसकी खिड़कियों पर भी काली पन्नी चढ़ा दी गई थी, जिससे धूप न आ सके।

पुलिस का कहना है कि मूल रूप से नादिया जिले पास करीमपुर की रहने वाली मंजू मोंडाल की शादी मनोबेंद्रा मोंडाल से हुई थी। दोनों के एक 11 वर्षीय बेटी भी है। मनोबेंद्रा पेशे से बढ़ई का काम करता है। इस मामले में ग्रेजुएट तक पढ़ी महिला ने अपने पति के खिलाफ पुलिस से शिकायत नहीं की है। यहां तक कि उसने पुलिस थाने जाने से भी इंकार कर दिया।

जलांगी पुलिस थाने के इंचार्ज पुलिस अधिकारी देबाशीश सरकार ने बताया कि मंजू के भाई ने जरूर इस मामले की शिकायत दर्ज कराई है। लेकिन मंजू ने नहीं कराई। हम लोग पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

मनोबेंद्र को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया जा सका है।वहीं, मंजू के भाई निखिल का कहना है कि है उसकी बहन ग्रेजुएशन तक पढ़ी है। उसे किसी भी तरह की कोई बीमारी नहीं है। समझ नहीं आ रहा है कि वह अपने पति के खिलाफ शिकायत क्यों नहीं दर्ज करा रही है।

देबाशीश ने आगे बताया कि हमने रात में महिला और उसकी बेटी को कमरे से बाहर निकाला। हालांकि, कानूनी रूप से हम दोनों को पुलिस थाने में नहीं रख सकते हैं।

...जब कमरे में पहुंची पुलिस

पुलिस खिड़कियों को तोड़कर कमरे में प्रवेश कर सकी। अंदर काफी गंदगी थी। मंजू और उसकी बेटी ने कमरे को अंदर से बंद कर रखा था।

जलांगी पुलिस थाने में मौजूद एक अधिकारी ने बताया, 'जब हमने मंजू और उसकी बेटी से बाहर चलने के लिए कहा

तो उन्होंने मना कर दिया। उनका कहना था कि वे एक अच्छी जिंदगी जी रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि वे कई सालों बाद बाहर की दुनिया देख रहे थे, इस वजह से हमनें उनके चेहरे बंद कर रखे थे।

हद है! तीसरी क्लास के बच्चे से ऐसा मैथ्स का सवाल कौन पूछता है?

'अगर आपके पास 15 कंचे हैं और उनमें से कुछ गुम हो जाएं तो आपके पास कितने कंचे बचे?'

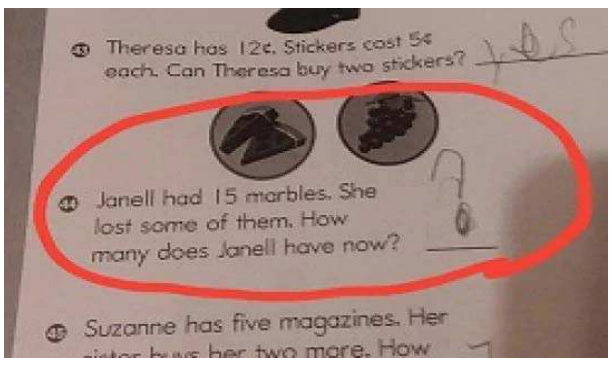

नई दिल्ली। 8 साल की एक बच्ची को स्कूल से मिला 'मैथ्स होमवर्क' इन दिनों सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर हंसी का पात्र बना हुआ है। दरअसल होमवर्क में शिक्षकों ने बच्ची से एक ऐसी सवाल पूछा है जिसका जवाब ग्रैजुएशन या मास्टर्स लेवल के विद्यार्थी तो दूर आईएएस अधिकारियों के पास भी नहीं है। सोशल नेटवर्किंग साइट रेडिट पर इस होमवर्क का एक प्रिंटशॉट भी अपलोड किया गया है। दरअसल इस होमवर्क में बच्ची से पूछा गया है, 'अगर आपके पास 15 कंचे हैं और उनमें से कुछ गुम हो जाएं तो आपके पास कितने कंचे

बचे?' ये सवाल सुनकर शायद आपकी हंसी छूट गई हो, लेकिन वास्तव में इसका जवाब दुनिया के किसी भी विद्यार्थी के पास नहीं है।

इस होमवर्क का प्रिंटशॉट बच्ची की मां डस्टी सैपिंगटन ने अपलोड किया है। खास बात यह है कि होमवर्क का प्रिंटशॉट अपलोड करते ही कमेंट बॉक्स में कई खुराफाती कमेंट्स भी आने लगे। इस सवाल के जवाब में कोई 'ह्यश्द्ढ्र' लिख रहा है, तो कोई इसे 'थर्ड ग्रेड मैथ्म प्रॉब्लम' बता रहा है।

बेकाबू कार ने दो भाइयों को मारी टक्कर, एक की मौत

नई दिल्ली। गंभीर रूप से घायल एक भाई का चल रहा इलाज साकेत थाना इलाके के पुष्प विहार में एक बेकाबू महिंद्रा स्कॉर्पियो कार चालक ने मोटरसाईकिल सवार दो भाईयों को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। इस हादसे में जहां एक भाई की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दूसरी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मृतक की पहचान नरेंद्र सिंह (27) के रूप में की गई है, जबकि गंभीर रूप से घायल दूसरे भाई की पहचान सुरेंद्र सिंह (27) के रूप में हुई है। संगम विहार निवासी दोनों भाई ग्रेटर कैलाश स्थित एक निजी कंपनी में काम करते थे। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने नरेंद्र को मृत घोषित कर दिया। सुरेंद्र का इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने इस बाबत आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए उसकी तलाश शुरू कर दी है। उधर घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों की मानें तो बेकाबू कार दोनों भाइयों

बेकाबू कार दोनों भाइयों को टक्कर मारने से पहले कुछ अन्य लोगों को भी टक्कर मार चुकी थी

को टक्कर मारने से पहले कुछ अन्य लोगों को भी टक्कर मार चुकी थी जिसमें तीन अन्य लोग भी बुरी तरह से जख्मी हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, मामला शुक्रवार की सुबह करीब नौ बजे का है। इस दौरान दोनों भाई अपनी मोटरसाईकिल पर सवार होकर अपने ऑफिस जा रहे थे। उसी दौरान पुष्प विहार सेक्टर-1 के पास पीछे से अचानक आई एक बेकाबू सफेद रंग की महिंद्रा स्कॉर्पियो ने उनकी मोटरसाईकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों भाई मोटरसाईकिल समेत हवा में उछल गए। इतना ही नहीं उनके जमीन पर गिरने के बाद भी आरोपी कार चालक ने कार रोकने की बजाए उनको रौंदता हुआ फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि हादसे के सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। हालांकि इन फुटेज में गाड़ी की शिनाख्त नहीं पाई है। फिलहाल पुलिस जांच में लगी हुई है।

झुग्गी-झोपड़ीवासियों के टूटे हाथ और पैर, गाडरे पर लगाए आरोप

एम्स: सुरक्षा गाडरे ने भांजी लाठियां, कई घायल

नई दिल्ली। बृहस्पतिवार रात राजधानी एम्स के ट्रामा सेंटर के नजदीक जमकर हंगामा हुआ है। एम्स के सुरक्षा गाडरे ने लाठियां भांजते हुए कई लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोप है कि सुरक्षा गाडरे ने जानबूझकर ऐसा किया है। जबकि एम्स प्रबंधन के मुताबिक, गेट नंबर-3 पर शराब के नशे में धुत होकर लोग हर दिन गुंडागर्दी करते हैं। पास में स्थित रेजीडेंट डॉक्टरों के हॉस्टल में घुसकर चोरियों को अंजाम भी देते हैं। जबकि इस घटना में घायल हुए झुग्गी झोपड़ी वालों का आरोप है कि एम्स के गार्ड हर दिन उनके साथ गलत व्यवहार करते हैं।

इस घटना को लेकर दिल्ली पुलिस ने दोनों ही पक्षों की शिकायत लेकर जांच शुरू कर दी है। वहीं, एम्स रेजीडेंट डॉक्टरों ने भी घटना को लेकर प्रबंधन और दिल्ली पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। दरअसल, घायलों का आरोप है कि 2 नवम्बर की की देर रात करीब सवा 11 बजे जयप्रकाश नारायण एम्स ट्रामा सेंटर के गार्ड आए और इन लोगों को मारना शुरू कर दिया।

लोगों का आरोप यह भी है कि कुछ बच्चे लूडो खेल रहे थे तभी अस्पताल के अंदर से गार्ड ने इन लोगों पर लाठियां बरसानी शुरू कर दी। झगड़ा बढ़ता गया और देखते ही देखते लगभग 50 की संख्या में गार्ड झुग्गी वालों को पीटने लगे। और तो और उन्होंने लड़कियों तक को नहीं बख्शा। कथित तौर पर कई महिलाओं

डॉक्टरों ने गेट नं 3 के पास सुरक्षा का उठाया था मुद्दा

और लड़कियों के सिर पर और शरीर के बाकी हिस्सों में भी चोट आई हैं। एम्स के सुरक्षा विभाग ने इसका खंडन किया है।

घायलों की जुबानी : घायल लोगों का कहना है कि पुलिस भी मौके पर पहुंचकर इन लोगों की मदद नहीं की। घायल लोग खुद ही अपने आप अस्पताल गए और अपना इलाज करवाया। घायलों की मांग है कि दिल्ली पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपी गार्डस के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करे।

डॉक्टरों ने उठाया मुद्दा : उधर, शुक्रवार दोपहर एम्स के रेजीडेंट डॉक्टरों ने सुरक्षा विभाग के मुख्य अधिकारी दीपक कुमार को पत्र लिखते हुए बताया कि गेट नंबर-3 के पास उनका हॉस्टल है। जहां आए दिन ये लोग शराब के नशे में धुत होकर जुआ खेलते रहते हैं।

एक बार सकिंदर से पूछा गया कि तुम धन क्यों एकत्र नहीं करते ? तब उसका जवाब था कि इस डर से कि उसका रक्षक बनकर कहीं भ्रष्ट न हो जाऊं -अज्ञात

देश की बड़ी उपलब्धि

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आतंकवादी मसूद अजहर को नियंतग्र आतंकवादी घोषित करने के लिए लाए गए प्रस्ताव को फिर से वीटो करने का अर्थ है कि वह अपने तई आगे भी ऐसा ही करने वाला है। तो क्या यह मान लिया जाए कि हम मसूद को नियंतग्र आतंकवादी घोषित नहीं करा पाएंगे ? कम-से-कम चीन के व्यवहार का तात्कालिक निष्कर्ष तो यही है। वह पिछले दो वर्ष से लगातार ऐसे प्रस्ताव को वीटो कर रहा है। पहले भारत स्वयं प्रस्ताव लाता था। बाद में रणनीति बदलकर उसने दूसरे देशों को तैयार किया। इस बार का प्रस्ताव अमेरिका, फ्रांस एवं ब्रिटेन द्वारा लाया गया था। ये तीनों सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य हैं। इससे सशक्त प्रयास और क्या हो सकता है ? इन तीनों देशों ने ही अगस्त में भी प्रस्ताव लाया था जिसे चीन ने वीटो कर दिया था। इसकी अवधि 2 नवम्बर को खत्म हो रही थी तो उसने फिर अपना ब्रह्मास्त्र चला दिया। चीन कहता है कि इस प्रस्ताव पर सदस्यों के बीच सहमति नहीं है। उसे किस तरह की सहमति चाहिए ? भारत के पिछले वर्ष के प्रस्ताव पर सुरक्षा परिषद के 15 सदस्य देशों में से 14 की सहमति थी। केवल एक चीन विरोध में था। इससे ज्यादा सहमति और क्या चाहिए ? जाहिर है, चीन केवल अपने कदम को सही ठहराने के लिए बहाना बना रहा है। वह हर बार कोई-न-कोई तर्क तलाश लेता है। उसका एक तर्क यह था कि मसूद को आतंकवादी मानने के लिए पर्याप्त प्रमाण नहीं है। क्या बात है। भारत ने अपने आवेदन में वैसे सारे तय पेश किए, जिससे मसूद का आतंकवादी होना प्रमाणित होता है। अगर दूसरे सदस्य देश आाश्त नहीं होते तो इसका समर्थन नहीं करते। क्या अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन बिना पुख्ता प्रमाण देखे ही प्रस्ताव लाने या इसके पूर्व इसका समर्थन करने को तैयार हो गए ? आगे चलकर चीन हो सकता है आने वाले समय में वह आवेदन को ही वीटो कर दे ताकि यह रद्द हो जाए। यह निराश करने वाली स्थिति है। किंतु भारत को स्वयं को विफल नहीं मानना चाहिए। आखिर इतने देशों का समर्थन जुटा लेना सामान्य कूटनीतिक उपलब्धि नहीं है। भले वह सुरक्षा परिषद द्वारा नियंतग्र आतंकवादी घोषित नहीं हो, लेकिन पिछले दो साल के प्रयासों से दुनिया को मसूद एवं उसके संरक्षक पाकिस्तान के बारे में सब कुछ पता चल गया है और यही भारत की सफलता है।

''जंतर मंतर'

गरीब और विपन्न के लोकतंत्र के साथ ``जंतर मंतर' का यह नया फैसला है। क्लब ऑफ इंडिया में दिल्ली के एक फोटोग्राफर की तस्वीर लगी है, जिसमें प्रदर्शनकारी संसद परिसर के अंदर लोक सभा और राज्य सभा के जाने वाले मुख्य दरवाजे के बाहर खड़े होकर नारे लगा रहे हैं। यह तस्वीर ब्रिटिश सत्ता के खत्म होने के थोड़े वर्ष बाद की है। जो लोग संसद भवन में पिछले पचास वर्षो से जा रहे हैं उन्हें इसका अनुभव है कि आम लोगों को अपनी नाराजगी व भावनाएं प्रगट करने से भारत की संसद से कैसे दूर किया जाता रहा है ? दूसरा चरण यह आया कि संसद मार्ग पर बने संसद के मुख्य दरवाजे तक जाने की मनाही कर दी गई। तीसरा दौर वह भी आया जब वोट क्लब पर विरोध जताने की मनाही कर दी गई।

सतीश पेडणोकर

जंतर मंतर के आस पास रिहाइश को ये अधिकार है कि वह अपने अनुकूल वातावरण में रह सकें। लेकिन इसका रास्ता तो यह नहीं हो सकता है कि लोकतंत्र की पूरी प्रक्रिया को ठप कर दिया जाए। लोकतंत्र को संसद बनाम जंतर मंतर करने की एक राजनीतिक प्रक्रिया रही है। उसकी समाप्ति की घोषणा की जा रही है। विरोध के लिए जगहें किराये पर लेनी होगी और किराये पर जगह तभी मिलेगी जब जगह का मालिक चाहेगा। गरीब और विपन्न के लोकतंत्र के साथ ''जंतर मंतर' का यह नया फैसला है। क्लब ऑफ इंडिया में दिल्ली के एक फोटोग्राफर की तस्वीर लगी है, जिसमें प्रदर्शनकारी संसद परिसर के अंदर लोक सभा और राज्य सभा के जाने वाले मुख्य दरवाजे के बाहर खड़े होकर नारे लगा रहे हैं। यह तस्वीर ब्रिटिश सत्ता के खत्म होने के थोड़े वर्ष बाद की है। जो लोग संसद भवन में पिछले पचास वर्षो से जा रहे हैं उन्हें इसका अनुभव है कि आम लोगों को अपनी नाराजगी व भावनाएं प्रगट करने से भारत की संसद से कैसे दूर किया जाता रहा है ? दूसरा चरण यह आया कि संसद मार्ग पर बने संसद के मुख्य दरवाजे तक जाने की मनाही कर दी गई। तीसरा दौर वह भी आया जब वोट क्लब पर विरोध जताने की मनाही कर दी गई ताकि संसद भवन की छाया भी नहीं दिखे। सत्ता लोकतंत्र की सीमाओं को तय करती है। दुनिया में सबसे बड़े लोकतंत्र होने का शोर इन वर्षो में जितना ज्यादा मचा है उतनी ही दूरी लोगों की संसद भवन से बढ़ती चली गई है। दूसरे शब्दों में कहें तो लोकतंत्र महज सत्ता का विज्ञापन है। संसद भवन एक प्रतीक है, जिसका इस्तेमाल सत्ता अपने लोकतंत्र के लिए करती है। लेकिन उसी प्रतीक का इस्तेमाल सामान्य नागरिक या लोग करने की कोशिश करते हैं तो वह लोकतंत्र के प्रतीक पर हमले की आशंका में तब्दील कर दी जाती है। प्रतीक पर हमले का डर आम लोगों के बीच प्रचार की सामग्री होती है। एक विवरण में बताया जा सकता है कि कैसे संसद भवन के आसपास के इलाकों में राजनीतिक व सामाजिक कार्यकर्ताओं के बैठकर बातचीत करने की जगहें भी एक-एक कर समाप्त कर दी गई। मीडिया को समाचार देने वाली एजेंसी यूएनआई के परिसर एवं संविधान सभा के बैठक स्थल वीपी हाउस के लॉन में घास पर हजारों हजार बैठकें उन लोगों ने की है जो कि मीटिंग के लिए पैसे खर्च करने की स्थिति में नहीं होते हैं। लेकिन भूमंडलीकरण के दौर में सौंदर्यीकरण और विकास के नाम पर उन जगहों की डिजाइन ऐसी तैयार कराई गई कि वहां बैठना ही संभव नहीं रहा। दूसरी तरफ उस सौंदर्यीकरण और विकास की सुरक्षा के नाम पर वैसे गरीब वर्दीधारी बैठा दिए गए, जो वर्दीधारी अपनी नौकरी की सुरक्षा में ज्यादा क्रूरता से आम नागरिकों के खिलाफ पेश हो सके। कॉफी हाउस की छत पर भी लॉन को खत्म कर दिया गया। नया है कि जंतर मंतर पर लोगों को अपनी भावनाएं प्रगट करने से रोकने का फैसला राष्ट्रीय हरित न्यायालय (एनजीटी) की तरफ से आया है। संसदीय लोकतंत्र की अपनी सीमाएं है। वह भावनाएं व विचार प्रगट करने के लिए मंच दर मंच मुहैया कराना उसकी खूबी है। लेकिन लोकतंत्र वर्ग निरपेक्ष नहीं होता है। संविधान में जो लोकतंत्र परिभाषित है, उसका इस्तेमाल समाज का वही वर्ग कर सकता है जो कि सत्ता के सापेक्ष हो। उनके बीच संगठित होने के तमाम रास्तों को बंद करने की प्रक्रिया शुरू हो गई। 144 धारा स्थायी रूप से जड़ दी गई। विरोध प्रदर्शनों को अनसूनी करने, उनके खिलाफ पुलिस का दमन, उनके खिलाफ पाबंदियों के आदेश आदि की घटनाओं का एक विवरण तैयार करें तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमले की ब्रिटिश जमाने से भी ज्यादा भयावह तस्वीर पेश करती दिखाई देगी। जंतर मंतर पर गांधीवादी प्रदर्शन, धरना, भूख हड़ताल पर रोक एनजीटी ने लगाई है। यह न्यायालय पर्यावरण के मामलों पर सुनवाई करती है। पर्यावरण में शोरगुल भी आता है, जिसे ध्वनि प्रदूषण कहा जाता है। इस न्यायालय ने जंतर मंतर के आसपास रहने वाले कुछ लोगों की याचिका पर फैसला दिया कि पुलिस और प्रशासन जंतर मंतर पर प्रदर्शन नहीं होने दें। जंतर मंतर पर आने से लोगों को रोकने की यह कोशिश पिछले कई सालों और कई तरह से हो रही है और यह योजना बनाई गई थी कि प्रदर्शनों के लिए दिल्ली-हरियाणा की सीमा पर जगह बना दी जाए। इसीलिए न्यायालय का यह आदेश फौरी तौर पर लागू कर दिया गया। लोकतंत्र में नीतिगत फैसला पहले होता है और फिर उसे लागू करने के रास्ते निकाले जाते हैं। संसद में शोरगुल होता है तो उसका मूल्यांकन आर्थिक नुकसान से किया जाता है। कोई आर्थिक मामलों की अदालतों में जाए और ये याचिका डाल दे कि आर्थिक नुकसान हो रहा है, संसद की कार्यवाही खत्म कर देनी चाहिए ? लोकतत्र की प्रक्रिया कोई टापू नहीं है। यह मान्यता है कि समाज में पनप रहे असंतोष और भिन्न विचारों को समाज सुने। अदालतों के ही कई फैसले हैं, जिनमें इस बात पर जोर दिया गया है कि लोकतंत्र में विरोध की आवाज को इतनी ही दूर रखा जा सकता है ताकि वह आवाज वहां तक पहुंच सके, जिनके लिए वह लगाई जा रही है। दिल्ली को केंद्रीय सत्ता का प्रतीक माना जाता है और यहां से उठने वाली आवाज को पूरे देश के लिए आवाज का प्रतीक माना जाता है। लोकतंत्र को सीमित करने की दो प्रक्रियाएं मुख्यतौर पर दिखती है। एक तो लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को दूसरे क्षेत्रों की शब्दावलियों से आंकने की योजना लागू की गई। मसलन लोकतंत्र की प्रक्रिया को आर्थिक नुकसान, पर्यावरण को खतरा, असुरक्षा, विकास में बाधा आदि की शब्दावलियों से दिखाया जाने लगा। दूसरा लोकतंत्र को इस तरह से दिखाने वालों ने संविधान की अपने अनकूल व्याख्याएं प्रचारित व प्रसारित की हमलावर योजनाएं बनाई। यह व्याख्याओं का ही खेल है। कोई न्यायालय एक तरफ यमुना के तट पर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले श्री श्री रविशंकर द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रमों को सांस्कृतिक अधिकार मान ले और उसे संविधान की धारा 21 के अनुकूल करार दे दे और दूसरी तरफ ध्वनि प्रदूषण कानून का उल्लंधन मानकर संविधान की धारा 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का लोप कर दे। जंतर मंतर के आसपास रिहाइश को ये अधिकार है कि वह अपने अनुकूल वातावरण में रह सकें। लेकिन इसका रास्ता तो यह नहीं हो सकता है कि लोकतंत्र की पूरी प्रक्रिया को ठप कर दिया जाए। लोकतंत्र को संसद बनाम जंतर मंतर करने की एक राजनीतिक प्रक्रिया रही है। उसकी समाप्ति की घोषणा की जा रही है। विरोध के लिए जगहें किराये पर लेनी होगी और किराये पर जगह तभी मिलेगी जब जगह का मालिक चाहेगा। गरीब और विपन्न के लोकतंत्र के साथ ''जंतर मंतर' का यह नया फैसला है।

झारखंड न्युज

बरही थाना को मिली बड़ी सफलता

मांस लदा पिकअप गाड़ी पकड़ा , ड्राइवर को भेजा गया जेल

झारखंड : हजारीबाग जिला के बरही थाना क्षेत्र के बरसोत के पास एक पिकअप वैन पर प्रतिबंधित मांस लगा हुआ गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह के द्वारा पकड़ा गया पिकअप वैन का गाड़ी संख्या डब्लु बी- 37डी - 2535 और चालक चतरा जिला के अंसार मुहल्ला निवासी एजाज उर्फ़ मोहम्मद राजन (20 वर्ष) को पकड़कर उस युवक को मेडिकल जांच करवा कर हजारीबाग जेल भेज दिया गया । थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने मामला दर्ज कर लिया है जिसका धारा 302/17,295,295ए,298,34,67,और 12(1) अधिनियम 2005 के तहत 9 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है साथ ही थाना प्रभारी ने बताया कि दूसरी गाड़ी स्विफ्ट डिजायर गाड़ी संख्या जे एच10आर 6787 के द्वारा रोड में एस्कॉर्ट किया जा रहा था। प्राथमिकी दर्ज में पिकअप वैन ड्राइवर एजाज उर्फ मोहम्मद राजन पिता गुलाम मोहम्मद, चतरा निवासी और पिकअप वाहन मालिक और स्विफ्ट डिजायर के चालक मालिक टिंकू उर्फ बबलू कुरैशी, रियाज कुरेशी ,बाराचट्टी गया ,भोंदू बाराचट्टी ,अरविंद आसनसोल ,मिस्टर आसनसोल ,यह सभी व्यक्ति को नामजद अभियुक्त बनाया गया है फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है।

चलते चलते

खिचड़ी में गुण बहुत हैं..

खिचड़ी, जी हां मामूली सी लगने वाली खिचड़ी का, आखिरकार राष्ट्रारोहण हो ही गया। खिचड़ी को राष्ट्रीयों के नक्षत्रमंडल में अंतत: अपनी सही जगह मिली। बेचारी खिचड़ी की सत्तर साल उपेक्षा हुई तो हुई, पर अब और नहीं। अब खिचड़ी भारत की पहचान कराएगी और दुनिया भर में भारत का गौरव बढ़ाएगी। गरीबनवाज मानी खिचड़ी की भी राष्ट्रीयों की सूची में बहुत धमाकेदार तरीके से एंट्री हुई है। यह आज की सरकार की असली समाजवादी निष्ठाओं का सबूत है।

आयद, पर दुरुस्त आयद। चलिए, आखिरकार देश को अपना राष्ट्रीय भोजन भी मिल ही गया। खिचड़ी, जी हां मामूली सी लगने वाली खिचड़ी का, आखिरकार राष्ट्रारोहण हो ही गया। खिचड़ी को राष्ट्रीयों के नक्षत्रमंडल में अंतत: अपनी सही जगह मिली। बेचारी खिचड़ी की सत्तर साल उपेक्षा हुई तो हुई, पर अब और नहीं। अब खिचड़ी भारत की पहचान कराएगी और दुनिया भर में भारत का गौरव बढ़ाएगी। गरीबनवाज मानी खिचड़ी की भी राष्ट्रीयों की सूची में बहुत धमाकेदार तरीके से एंट्री हुई है। यह आज की सरकार की असली समाजवादी निष्ठाओं का सबूत है। पहले सत्ता में रहे छद्म समाजवादियों ने क्या कभी खिचड़ी की असली कीमत को पहचाना था ? राष्ट्रीय भोजन का आसन खाली पड़ा रहे, यह तो उन्हें मंजूर था, पर गरीब की खिचड़ी को इस आसन पर बैठने देना मंजूर नहीं था। आखिरकार, खिचड़ी के भी अच्छे दिन आए। उसे खुद पीएम जी ने राष्ट्रीय भोजन के असान पर बैठाया है और वह भी दुनिया के अनेक देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में। आखिरकार, राष्ट्रीय भोजन घोषित करना ही तो काफी नहीं है। दुनिया को पता भी तो चलना चाहिए कि खिचड़ी क्या है, जो हमारा राष्ट्रीय भोजन है। पट्ठी खिचड़ी ने भी राष्ट्रीय भोजन बनते ही, वर्ल्ड रिकार्ड पर अपना दावा ठोक दिया है। आखिरकार, हजार किलो की देग यूं ही नहीं चढ़ायी गई है। वह दिन अब दूर नहीं है जब सारी दुनिया, खिचड़ी खाएगी और प्रभु के गुण गाएगी। खिचड़ी के राष्ट्रीय भोजन घोषित किए जाने ने बड़ा अभाव दूर कर दिया है। राष्ट्र का बाकी सब कुछ तो पहले ही था-- राष्ट्रगान, राष्ट्र ध्वज, राष्ट्रीय पशु, राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय पोशाक आदि, आदि। बस एक राष्ट्रीय भोजन की ही कमी थी।

इस कमी की वजह से और तो और, भारत में शाकाहार के राष्ट्रीय होने तक पर विवाद था। पर अब नहीं। अब राष्ट्रभक्तों को गर्व करने की एक चीज मिल गई। एंटी-नेशनलों को पाकिस्तान का रास्ता दिखाने के लिए एक और सोटी मिल गई है। खिचड़ी हमारी राष्ट्रीय पहचान है। इसे राष्ट्रीय हाजमा खराब होने की निशानी बताने वाले, राष्ट्रीय निशानी कानून के तहत सजा के हकदार होंगे !

मुद्दा

''मेक इन इंडिया'

देश में लाइट एमिटिंग डियोड्स (एलईडी) बल्ब का बाजार दस हजार करोड़ रुपये से ऊपर चला गया है, लेकिन धीरे-धीरे यह काले कारोबार में तब्दील हो रहा है, जो निश्चित रूप से चिंता की बात है। मौजूदा समय में एलईडी बल्ब का बाजार नकली उत्पादों से भरा पड़ा है। कंपनियां इसे मुनाफा कमाने का एक बड़ा साधन मानकर चल रही हैं। इलेक्ट्रिक लैंप एंड कंपोनेंट मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन (एलकोमा) की एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2010 में एलईडी लाइटिंग का भारतीय बाजार महज 500 करोड़ रु पये का था, जो अब बढ़कर 10 हजार करोड़ रु पये का हो गया है। यह 22 हजार करोड़ रु पये की पूरी लाइटिंग इंडस्ट्री का लगभग 45 प्रतिशत से भी ज्यादा है। दरअसल, एलईडी बल्ब में विद्युत ऊर्जा की कम खपत होती है और इसकी रोशनी पारंपरिक बल्ब से ज्यादा होती है। फिर भी यह आंखों को नहीं चुभती है, जिसके कारण इसकी लोकप्रियता में तेजी से इजाफा हो रहा है। नियंतग्र स्तर की ख्यातलब्ध एजेंसी नीलसन ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि घरेलू बाजार में उपलब्ध एलईडी बल्ब के 76 और एलईडी डाउनलाइटर के 71 प्रतिशत ब्रांड सुरक्षा मानकों के अनुकूल नहीं हैं। गौरतलब है कि ये मानक भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रसारण मंत्रालय ने तैयार किए हैं। नीलसन ने अपने सर्वेक्षण में दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद और हैदराबाद में बिजली के उत्पादों की खुदरा बिक्री करने वाली 200 दुकानों के एलईडी बल्बों को नमूने के तौर पर शामिल किया था।

एलकोमा के अनुसार बीआईएस मानकों के उल्लंघन के सबसे ज्यादा मामले दिल्ली में देखे गए हैं। देखा जाए तो नकली एलईडी बल्ब के कारोबार से सरकार के ''मेक इन इंडिया' संकल्पना को भी नुकसान हो रहा है। उल्लेखनीय है कि अगस्त, 2017 में बीआईएस ने एलईडी बल्ब निर्माताओं को उनके उत्पाद के सुरक्षा जांच के लिए बीआईएस में पंजीकृत कराने का निर्देश दिया था, लेकिन कंपनियां इस आदेश की अनदेखी कर रही हैं।

एलईडी बल्ब के काले कारोबार में बढ़ोतरी का एक बहुत बड़ा कारण भारतीय बाजार का चीन के उत्पादों से भरा हुआ होना भी है। आज की तारीख में एलईडी बल्ब बड़े पैमाने पर चीन से भारत गैर कानूनी तरीके से लाई जा रही है। सर्वेक्षण के मुताबिक एलईडी बल्ब के 48 प्रतिशत ब्रांडों पर बनाने वाली कंपनी का पता दर्ज नहीं है, जबकि 31 प्रतिशत ब्रांडों की पैकिंग पर कंपनी का नाम नहीं लिखा है। साफ है, इनका निर्माण गैर-कानूनी तरीके से किया जा रहा है। इसी तरह एलईडी डाउनलाइटर्स के मामले में भी 45 प्रतिशत ब्रांडों की पैकिंग पर निर्माता का नाम दर्ज नहीं है और 51 प्रतिशत ब्रांडों के उत्पादों पर कंपनी का नाम नहीं लिखा हुआ है। नीलसन के रिपोर्ट के अनुसार सर्वे में शामिल दिल्ली में बिकने वाली एलईडी बल्ब की तकरीबन तीन-चौथाई ब्रांड बीआईएस मानकों के अनुरूप नहीं हैं। एलईडी डाउनलाइटर्स के मामले में भी लगभग ऐसी ही स्थिति है। वर्तमान में घर, बाजार और दफ्तर में धड़ल्ले से एलईडी बल्ब का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी वजह से रोशनी के बाजार में इसकी हिस्सेदारी बढ़कर आज 50 प्रतिशत हो गई है। हाल ही में सरकार ने ''उजाला' योजना के तहत देशभर में 77 करोड़ पारंपरिक बल्बों की जगह एलईडी बल्ब इस्तेमाल करने का लक्ष्य रखा है। इस आलोक में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने आपूत्तर करने वाले निर्माताओं या डीलरों को ''स्टार रेटिंग' वाले एलईडी बल्ब की आपूत्तर करने का निर्देश दिया है, ताकि उपभोक्ताओं के स्वास्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े। खास करके चीन से गैरकानूनी तरीके से आने वाली नकली एवं बिना ब्रांड वाले उत्पादों पर। नकली या बिना ब्रांड वाले एलईडी बल्ब ईमानदार कारोबारियों, सरकार एवं उपभोक्ताओं सभी के लिए नुकसानदेह है, क्योंकि कारोबारियों एवं सरकार को तो इससे सिर्फ आर्थिक नुकसान ही हो रहा है, लेकिन उपभोक्ताओं का स्वास्य इससे खतरे में है।

लोप होने के असल आंकड

आभा स्वामी

खबर है कि गए सालों में हमारे देश में बाघों की तादाद बढ़ी है, लेकिन खबर यह भी है कि इस दौरान 0 से 6 साल की उम्र की बच्चियों की तादाद तेजी से घटी है। बाघ हमारा राष्ट्रीय पशु है और आरक्षित श्रेणी में आता है। पर उसकी खाल, हड्डी, दिल, गुर्दा सबको एशियाई बाजारों में भारी मुनाफे पर बेचा जा सकता है इसलिए पिछले सालों में लालची तस्करों द्वारा बडी तादाद में बाघों की चोरी छुपे हत्या कर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उनके अवशेषों की कालाबाजारी से यह प्रजाति दुर्लभ हो चली थी। इसीलिए एक 'बाघ बचाओ की बड़ी मुहिम छेड़ी गई जिससे तमाम स्कूल, टीवी चैनल व एनजीओ जुड़े। उनके दबाव तथा निशानदेही से तस्करों पर छापे पड़े, पकड़-धकड़ हुई और मीडिया को जनचेतना जगाने वाले विज्ञापनों से पाट दिया गया। अब जाकर अच्छी खबर आई है कि बाघों की तादाद लगभग हर संरक्षित वन में बढ़ रही है। पर हमारी उस कन्या शिशु की प्रजाति का क्या होगा जो आज भी उपेक्षित-अरक्षित है ? सबसे ज्यादा खुद मां के पेट में अपने परिवार के भीतर। परिवार के अपनों के दबाव से वह कई बार गर्भ में लिंग निर्धारण के बाद गर्भपात से, जन्म ले लिया तो गुपचुप सौरी में, और फिर भी बची रही तो लगातार उपेक्षा और कुपोषण से सुखाकर पांच की उम्र तक पहुंचने से पहले ही आज भी मारी जा रही है। नतीजतन दस साला जनगणना के जो सरकारी आंकड़े आए हैं उनके अनुसार 0 से 6 साल के आयु वर्ग में वर्ष 2001 में जहां 1000 लड़कों पर 927 बच्चियां थीं, आज सिर्फ 914 हैं। वैसे कहने को देश में औरत-मर्दों के बीच औसत लिंगानुपात में सामान्य सुधार हुआ है। लेकिन यह बात पूरी सांत्वना का विषय नहीं। पिछले दस सालों में आबादी में औरतों की तादाद बढ़ी दिखने की असल वजह यह है कि इन बरसों में कुल आबादी भी बढ़ी है। बच्चियों के क्रमश: लोप होने के असल आंकड़े तो कुल वयस्क औरतों, मर्दों के बीच आबादी में बड़े असंतुलन के रूप में तनिक आगे जाकर उजागर होंगे। यह भी चिंता का विषय है कि बच्चियों की तादाद जिन राज्यों (दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर , दादरा नगर हवेली, नगालैंड , मणिपुर तथा सिक्किम) में सबसे तेजी से घटी है, उनका स्तर आर्थिक, स्वास्थ्य कल्याण सुविधाओं और शैक्षिक पैमानों पर देश के सामान्य औसत से बेहतर है। यानी मात्र पिछड़े राज्यों में व्यापक गरीबी और अशिक्षा के कारण उतनी बच्चियां नहीं मर रहीं जितनी कि खाते-पीते तरक्की कर रहे राज्यों में खाते-पीते लोगों के बीच। इन सबको आज डबल रोल मिल गया है : एक तरफ नए और युवा शाइनिंग इंडिया की चमक बनाए रखना, और दूसरी तरफ यह सुनिश्चित करना कि पुराने अजर-अमर सामाजिकता वाले हिंदुस्तान की परंपराओं को भी खरोंच गहरी न लगे। लिहाजा वे अपने क्षेत्र में धर्म, गोत्र आधारित खाप पंचायतों और मुल्लाओं के हुक्म से प्रेम विवाह को दंडित कराना या कॉलेज की लड़कियों के लिए जीन्स पहनने पर पाबंदी लगाना भी स्वीकार करते हैं, और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर स्त्रीशक्ति का गुणगान करते हुए महिला थानों का उद्घाटन कर महिलाओं को साइकिलें, मशीनें बांटते फोटो खिंचाते भी दिखते हैं। टीवी फुटेज गवाह है कि खुद त्रस्त महिलाएं जब न्याय या राशन खोजती हैं तो उनको इन तथाकथित सशक्तीकृत स्कूलों, पंचायतों, महिला थानों या सरकारी राशन की दुकान में आशा की किरण या संवेदनशीलता नहीं दिखाई देती। अगर परिवार ही बच्चियों को नहीं बचाना चाहते, तो उन्हें कोई नहीं बचा सकता। क्या समाज को अपनी बेटियों की बाघों जितनी फिक्र भी नहीं होनी चाहिए ?

पूर्व राज्यसभा सांसद एंव राष्ट्रपति के मित्र ईश्वरचंद्र गुप्त नहीं रहे

कानपुर। पूर्व राज्यसभा सांसद एंव राष्ट्रपति के मित्र ईश्वरचंद्र गुप्त नहीं रहे, कानपुर में शोक की लहर

कानपुर। पूर्व राज्यसभा सांसद एंव राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अभिन्न मित्र ईश्वरचंद्र गुप्त का लंबी बीमारी के बाद शनिवार दोपहर 11 बजे निधन हो गया। 85 वर्षीय ईश्वरचंद्र गुप्त कक्षा चार से संघ से जुड़े रहे और शहर के बड़े उद्यमी भी थे। वह विभाग संघ चालक, संभाग संघ चालक, प्रांत संघ चालक और क्षेत्र संघ चालक पदों पर रह चुके हैं। अस्वस्थ होने के कारण डेढ़ साल पहले ही उन्होंने क्षेत्र संघ चालक का पद छोड़ा था। उनके निधन की सूचना मिलते ही भाजपा और संघ के साथ-साथ उद्योग जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उनके तिलक नगर स्थित आवास पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए भारी भीड़ जुटने लगी है।

ईश्वरचंद्र गुप्त के साथ राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

पहले कानपुर दौरे पर राष्ट्रपति ईश्वरचंद्र से मिलने उनके आवास पर गए थे मिलने

1932 में जन्मे ईश्वरचंद्र गुप्त मूल रूप से देहरादून के रहने वाले थे। ईश्वरचंद्र 1992 से 1998 तक भाजपा से राज्यसभा सदस्य रहे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से गरहा नाता रहा है। उनकी पहली मुलाकात सन- 1971 में हुई थी। राज यपाल रहते हुए अक्सर घर आते थे। राष्ट्रपति बनने के बाद भी कोविंद जी अपने पहले कानपुर दौरे पर उनके घर पहुंचे थे।राष्ट्रपति ने 15 सितंबर को कानपुर के ईश्वरीगंज से स्वच्छता ही सेवा का आगाज किया था। इस कार्यक्रम के बाद वह ईश्वरचंद्र गुप्त का हाल जानने ने उनके तिलकनगर आवास गए थे। करीब एक घंटे तक राष्ट्रपति ने उनके साथ बंद कमरे में गुफ्तगू की थी।

1959 में शुरू किया था ऑटो मोबाइल का कारोबार

1955 में देहरादून से कानपुर आकर लखनऊ में रहने वाले चाचा के साथ आटो मोबाइल का काम शुरू किया था। इसके बाद 1959 में कानपुर में उन्होंने कैलाश मोटर्स के नाम से आटो मोबाइल का शो रूम खोला था।

जिंदा पति को बताया मरा फिर बेच डाली उसकी पत्नी

अमरोहा। अमरोहा के थाना डिडौली में शुक्रवार को एक अजीब मामला दर्ज हुआ। जिंदा पति को मरा बताकर पांच लोगों ने उसकी पत्नी को बरेली जनपद के आंवला में बेच दिया। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर हुई है।

थाना डिडौली कोतवाली के गांव तोफापुर निवासी नीरज की शादी सात वर्ष पूर्व जोया कस्बे के चौकीदारान मोहल्ले में अंजली के साथ हुई। जिससे तीन बेटी व एक बेटा है। पति से मन मुटाव होने के कारण अंजली दो वर्षीय बेटी कशिश को लेकर मायके चली गई। इस दौरान बाद ससुराल वालों ने मुरादाबाद में अनुबंध तैयार कराया, जिसमें नीरज को मृत दिखाया। रिपोर्ट में कहा गया कि नीरज को पता चला कि ससुराल वालों ने उसकी बेटी को भी मार दिया है। कुछ दिन बाद वह पत्नी को लेने मुरादबाद गया। आरोप है कि उन्होंने अंजली को भेजने से इंकार कर गाली गलौच तथा मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। कह दिया कि उन्होंने अंजली की शादी दूसरी जगह कर दी है। पति से मन मुटाव होने के कारण अंजली दो वर्षीय बेटी कशिश को लेकर मायके चली गई। इस दौरान बाद ससुराल वालों ने मुरादाबाद में अनुबंध तैयार कराया, जिसमें नीरज को मृत दिखाया। रिपोर्ट में कहा गया कि नीरज को पता चला कि ससुराल वालों ने उसकी बेटी को भी मार दिया है।ससुराल वालों ने अंजली को आंवला के सोना गांव निवासी रामाशंकर को बेच दिया। नीरज ने डिडौली कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। आरोप है कि पुलिस ने टाल मटौल करते हुए कार्रवाई नहीं की। जिस पर उसने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने ससुर कुंवरपाल, साले प्यारे, शिवकुमार, साढू निरंकार और इसके बेटे के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कराया गया।

दरोगा ने 1000 रुपये लेकर आतंकी फरहान के पासपोर्ट को किया ओके

मुरादाबाद। आतंकी फरहान ने बैंक एकाउंट खुलवाने के साथ-साथ पासपोर्ट की रिपोर्ट भी पैसे के दम पर मर्जी के मुताबिक लगवा ली थी। मात्र एक हजार रुपए में तत्कालीन चौकी इंचार्ज ने घर बैठकर आतंकी के पासपोर्ट की रिपोर्ट ओके लगा दी थी। जांच में खुलासा होने पर अधिकारियों ने इसे घोर लापरवाही माना। पासपोर्ट पर रिपोर्ट लगाने वाले दरोगा व तत्कालीन इंस्पेक्टर कटघर के खिलाफ जांच शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

मुगलपुरा थाना पुलिस और एटीएस की मदद से बरबलान मोहल्ले में 26 अक्तूबर को गिरफ्तार आतंकी फरहान का रिकार्ड खंगालने में सुरक्षा एजेंसियां जुटी हुई हैं। हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। उसके मंसूबे नापाक थे। ताजमहल, लालकिला समेत देश की धरोहर उसके निशाने पर थीं। देश भर में वह आतंकी नेवटर्क तैयार कर रहा था। मदरसे के बच्चों का ब्रेनवाश करने का भी काम कर रहा था। फर्जी पासपोर्ट व वह कुवैत का भी सफल कर चुका था। गोधरा कांड में शामिल अहमद बख्शी के वह लगातार संपर्क में था।

फरहान के खाते में करोड़ों के ट्रांजेक्शन के पीछे कौन

जांच एजेंसियों ने उसके पासपोर्ट की जांच की तो बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ। तत्कालीन चौकी इंचार्ज ने मात्र एक हजार रुपए लेकर देश की सुरक्षा का सौदा आतंकी से कर डाला था। पासपोर्ट की रिपोर्ट ओके लगा दी थी। पासपोर्ट 2012 में दो नवंबर को जारी किया गया था। एकता कालोनी के पते पर बनवाया गया था। इसे एसएसपी डाक्टर प्रीतिंदर सिंह ने गंभीर माना। तत्कालीन चौकी इंचार्ज व इंस्पेक्टर कटघर के खिलाफ जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मामले ने खोली व्यवस्था की पोल

किसी को राशन कार्ड बनवाना हो, डीएल लेना हो, बैंक खाते खोलने हों या पासपोर्ट बनवाना हो, इन सबमें लंबी प्रक्रिया है। नियम-कायदों का लंबा-चौड़ा झमेला है। दावा किया जाता है कि हर प्रक्रिया में तमाम सरकारी औपचारिकताएं पूरी की जाती हैं, लेकिन आतंकी फरहान मामले में ऐसा नहीं हुआ। उसने चार साल मुरादाबाद में बेधड़क बिताए। नोएडा एटीएस के कारण वह गिरफ्त में भी आया।

रूसी महिला से बैंक मैनेजर ने किया दुष्कर्म, रिपोर्ट दर्ज

वृंदावन। चैतन्य विहार में रह रहे वृंदावन के एक बैंक मैनेजर पर रूसी महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी बैंक मैनेजर को हिरासत में ले लिया है।

रूस के वरनाउड पन फ्लोरेजव शहर निवासी एक महिला ने चैतन्य विहार निवासी बैंक मैनेजर मोहन प्रसाद सिंह पर 22 सितंबर की रात को दुष्कर्म का आरोप लगाया है। कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा कि मोहन प्रसाद ने उनसे शादी करने के लिए कहा था और काफी समय से झांसा देकर परेशान कर रहा है। उसने बताया कि वह 17 सितंबर से छटीकरा मार्ग स्थित एक आवासीय कॉलोनी में रहकर वृंदावनवास कर रही है।

वहीं आरोपी बैंक मैनेजर मोहन प्रसाद सिंह ने बताया कि वह मूलरूप से वह महेंद्रू शहर पटना का रहने वाला है। वह यहां चैतन्य विहार में किराए के मकान में रह रहा है। उसकी मुलाकात एक वर्ष पूर्व एक वृद्ध रूसी महिला ने उससे कराई थी, तभी से वे अच्छे दोस्त थे। मैंने उसे दो दिन पूर्व सोने के ईयररिंग और दो हजार रुपये दिए थे। गुरुवार को महिला ने फिर से सामान लाने के लिए तीन हजार रुपये की मांग की थी। मैंने इनकार कर दिया। इसी बात से चिढ़कर उसने दुष्कर्म का आरोप लगा दिया।

वृंदानव कोतवाली प्रभारी सुबोध कुमार ने बताया कि विदेशी महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्जकर आरोपी को पकड़ लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। महिला को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेज दिया है।

स्वर्ण पदक में बेटों से आगे निकली बेटियां

कानपुर। सीएसए के दीक्षांत समारोह में भी बेटियां स्वर्ण पदक प्राप्त करने में बेटों से आगे निकल गई हैं। दो दिसम्बर को होने वाले चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम में पदक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं की सूची जारी कर दी गई है। सात पाठ्यक्रम में पांच बेटियों को स्वर्ण पदक मिल रहा है। इसमें आकांक्षा सिंह, नेहा सिंह, तनु, अपूर्वा सचान व अनुराधा पांडेय है।

सेना की एम्बुलेंस लेकर भाग रहा था जवान, पुलिस ने धरदबोचा

इलाहाबाद कानपुर। इलाहाबाद कैंट से सेना की एम्बुलेंस लेकर भागा लद्दाख में तैनात सेना का जवान कानपुर के सचेंडी में पकड़ा गया। फतेहपुर से पुलिस ने उसका पीछा किया तो कई बैरियर तोड़ता हुआ भागा, सडेंडी में चकरपुर मंडी के सामने आड़े-तिरछे वाहन खड़े करके उसको रोका गया। पकड़े जाने के बाद पुलिस और सैन्य अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं, वह बार-बार अपना नाम बदल रहा है, उसके आतंकी गतिविधियों में शामिल होने की आशंका जतायी जा रही है।

इलाहाबाद पहुंचा था और शनिवार सुबह पांच बजे सेना की एम्बुलेंस लेकर भाग निकला। फतेहपुर में औंग थाने से पहले 100 डॉयल के सिपाही धर्मेंद्र को सेना के वाहन को सादी वर्दी में ले जाते युवक पर शक हुआ तो उसने अकेले ही संदिग्ध का पीछा करना शुरू कर दिया। इस पर उसने पहले फतेहपुर के औंग थाने का बैरियर तोड़ा उसके बाद कानपुर सीमा में महराजपुर थाने और फिर रूमा चैकी का बैरियर तोड़ता हुआ भागा। इस बीच सूचना आला अफसरों को इसकी सूचना हो गयी। हाईवे पर भारी संख्या में पुलिस लगा दी गई, लेकिन संदिग्ध युवक पुलिस को धता बताते हुए तेजी से वाहन भगाता हुआ आगे भागने लगा।

चकेरी पुलिस ने सचेंडी थाने से संपर्क किया और चकरपुर मंडी में वाहन लगवाकर संदिग्ध को पकडने का प्लान बनाया गया। सचेंडी पुलिस तुरंत सक्र ?रिय हुई और चकरपुर मंडी के सामने हाईवे पर वाहनों को आड़ा-तिरछा खड़ा कर रास्ता रोक दिया गया। संदिग्ध युवक ने रास्ता बंद देख सेना का वाहन जैसे ही धीमा किया पुलिस ने घेराबंदी करके उसे दबोच लिया। उसे सचेंडी थाने लाया गया जहां संदिग्ध से पूछताछ जारी है। उसने पहले अपना नाम राजस्थान निवासी संजीत सिंह लेकिन बाद में बार-बार अपना नाम बदलने लगा। इस बीच सूचना पहुंचने पर सेना के अधिकारी भी थाने पहुंच गए। पूछताछ में स्पष्ट हुआ कि वह लद्दाख से भागा हुआ सेना का ही जवान है, सेना की एम्बुलेंस उसने क्यों चुरायी और उसको कहां किस मकसद से ले जा रहा था इसको लेकर पूछताछ जारी है। खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हो गयी हैं।

कर्नल ने आरोपी के खिलाफ दर्ज कराया मुकद्दमा-

इलाहाबाद छावनी के कर्नल एम के अमर सिंह ने एम्बुलेंस लेकर भागने के मामले में मुकदमा दर्ज कराया है।

बिहार

जय बाबा हरिहरनाथ का उद्घोष, सोनपुर मेले में 10 लाख श्रद्धालु पहुंचे

हाजीपुर सोनपुर। जय बाबा हरिहरनाथ और जय हे गंगा मइया के उद्घोष से हरिहरक्षेत्र गूंज उठा है। कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए हाजीपुर और सोनपुर में गंडक नदी और पहलेजाधाम में गंगा के तट पर शुक्रवार की शाम तक दस लाख से भीड़ अधिक तीर्थयात्री पहुंच चुके हैं। मध्य रात के बाद पूर्णिमा स्नान शुरू होकर शनिवार की दोपहर तक जारी रहेगा। नदी घाटों पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

मेले के आस्था के केन्द्र सोनपुर के हरिहरनाथ मंदिर से काली घाट, गजेन्द्र मोक्ष घाट, पुल घाट होते सवाइच घाट तक सारण जिला प्रशासन की ओर से तीन पालियों में एक सौ से अधिक दंडाधिकारी, इतने ही पुलिस पदाधिकारी और तीन सौ से अधिक जवान तैनात हैं। मोटरबोट पर एनडीआरएएफ और एसडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोर गश्त कर रहे हैं।

इधर ऐतिहासिक कोनहारा घाट से पुल घाट तक वैशाली जिला प्रशासन की और से सुरक्षा व्यव-स्था की गयी है। रामाशीष चौक से गंडक नदी के घाटों तक डेढ़ सौ से अधिक दंडाधिकारी और पांच सौ से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं। सोनपुर गजेन्द्र मोक्ष घाट पर देवस्थानम के पीठाधीश्वर स्वामी लक्ष्मणाचार्य के नेतृत्व में रात 2 बजकर 55 मिनट पर शाही स्नान किया जाएगा।

कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए रेल और सड़क मार्ग से तीर्थयात्रियों का हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेले में आना लगातार जारी है। शुक्रवार की देर शाम तक छपरा,सीवान, गोपालगंज, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर, पटना,नालंदा आदि जिलों से तीर्थयात्री ट्रेनों और विभिन्न वाहनों से यहां पहुंचे चुके हैं। दूसरी ओर स्थानीय विधायक प्रो. रामानुज प्रसाद ने सोनपुर और पहलेजाघाट धाम स्थित गंगा- गंडक नदी के विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया। तीर्थयात्रियों में ज्यादा संख्या महिलाओं की है।

वे गीत गाते हुए नदी घाटों की ओर आगे बढ़ रही हैं। उनके साथ-साथ छोटे-छोटे बच्चे भी हैं। इधर पहलेजाधाम में संतों का जमावड़ा लगा हुआ है। वहां गंगा नदी के किनारे विगत एक माह से सैकड़ों श्रद्धालु नर- नारी भी कल्पवास कर रहे हैं। कार्तिक पूर्णिमा स्नान के साथ ही उनका कल्पवास भी समाप्त हो जायेगा।

हरिहरक्षेत्र में लगेगा अमृत स्नान कुंभ मेला

देश भर के श्रद्धालुओं के लिए एक अच्छी खबर है। रमानुजम् संप्रदाय ने गजेन्द्र मोक्ष व कई पौराणिक कथाओं की भूमि हरिहरक्षेत्र में गंगा-गंडक के तट पर 2019 में अमृत स्नान कुंभ मेला लगाने का प्रस्ताव पारित किया है।

खेलने से मना किया तो टीचर ने बेरहमी से पीटा, लड़की स्कूल में हुई बेहोश

बक्सर.सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद शिक्षक स्कूली बच्चों को पीटने से बाज नहीं आ रहे है। सिविल लाईन स्थित कुंवर सिंह मध्य विद्यालय में शुक्रवार को एक ऐसी ही घटना सामने आई। जिसमें अध्यापक ने छात्रा को इतना पीटा कि वह बेहोश होकर फर्श पर गिर पड़ी। छात्रा का कसूर इतना था कि शिक्षक की ओर खेलने के लिए दिए गए आदेश को मानने से इंकार कर दिया था।

दरअसल उसकी तबीयत खराब थी। सिरदर्द व चक्कर का हवाला दे खेलने नहीं गई। जिससे नाराज शिक्षक उसे डंडे से पीटने लगा। छात्रा तड़प-तड़प कर रोने लगी। लेकिन, बेरहम शिक्षक मानने को तैयार नहीं था। रोते-गिड़गिड़ाते हुए वह दया की भीख मांग रही थी।

लालू का हमला : कागजों में ही हजारों शौचालय खा गई नीतीश सरकार

पटना। बिहार के पटना जिले में शौचालय निमार्ण के नाम पर 13 करोड़ रुपये की बंदरबांट को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने शनिवार को बिहार सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए तंज कसा है। लालू प्रसाद ने नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए सवालिया लहजे में ट्वीट कर लिखा, चारा घोटाले में इन लोगों ने कहा था कि लालू सारा चारा खा गए। अब शौचालय घोटाले में वो क्या बोलेंगे, नीतीश क्या खा गए

राजद अध्यक्ष ने एक अन्य ट्वीट को 'ब्रेकिंग' बताते हुए लिखा, बिहार में अब करोड़ों का शौचालय घोटाला। कागजों मे ही हजारों शौचालय खा गई नीतीश सरकार। शौचालय भी नहीं छोड़े मुख्यमंत्री ईमानदार है, है ना

इस संबंध में एक ट्वीट को री-टवीट कर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने लिखा, नीतीश सरकार को घोटालों की 'सोच' कभी भी आ सकती है।

इधर, लालू के पुत्र और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने भी शौचालय निमार्ण में गड़बड़ी को लेकर नीतीश सरकार पर भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस को लेकर तंज कसते हुए निशाना साधा है।

तेजस्वी ने ट्वीट कर लिखा, बिहार में अब करोड़ों का शौचालय घोटाला! महीने में अनेकों घोटाले होते उजागर। फिर भी हमार घोटाला बाबू ईमानदार। जय हो जीरो टॉलरेन्स बाबू।

एक अन्य ट्वीट में राजद नेता तेजस्वी ने लिखा, नीतीश सरकार ने अब 10 हजार शौचालयों के करोड़ों-करोड़ डकार लिए। नीतीश जी 'जीरो टॉलरेंस ऑन ऑनेस्टी' के सबसे बड़े 'ब्राण्ड एंबेसडर' बन चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि पटना में शौचालय बनाने के नाम पर स्वयंसेवी संस्थाओं (एनजीओ) द्वारा 13 करोड़ रुपये की राशि के बंदरबांट का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि पटना में शौचालय बनाने का पैसा लाभुकों को सीधे खाते में भेजने के बजाय लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) ने तीन स्वयंसेवी संस्थाओं के खाते में भेज दिया गया। इस मामले में लेकर पटना के गांधी मैदान थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

जमुई के लछुआड़ इलाके से नक्सली कमांडर अमीर कोड़ा गिरफ्तार

जमुई। जमुई जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र केलछुआड़ जंगली क्षेत्र से पुलिस ने एक नक्सली कमांडर अमीर कोड़ा को गिरफ्तार किया है। एसपी जयंतकांत ने इसकी पुष्टि की है। गिरफ्तार नक्सली ने पूछताछ के दौरान कई मामलों में शामिल होने की बात स्वीकारी है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली के पास से एक दोनाली बंदूक तथा कई कारतूस बरामद किए गए हैं। नक्सली साहित्य भी मिला है। उन्होंने बताया कि फिलहाल गिरफ्तार नक्सली के खिलाफ अलग-अलग थानों में छह मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एएसपी अभियान डीएन पांडेय और सीआरपीएफ के जवानों ने उसे गिरफ्तार किया है। एसपी ने यह भी बताया कि वह प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी का सक्रिय सदस्य है। पुलिस लंबे अर्से से उसकी तलाश कर रही थी। कई बार वह पुलिस के हत्थे चढ़ने से बच गया था।

लैंड माइंस लगाने में सक्रिय रहता था अमीर

एसपी ने बताया कि लैंड माइंस लगाने में वह पूरी तरह प्रशिक्षित है। लैंड माइंस लगाने का काम अपने साथियों के साथ करता था। पूछताछ के दौरान उसने यह स्वीकार किया है कि वह बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए वह लैंड माइंस लगाता था। एसपी ने बताया कि दो माह पहले वह चरकापत्थर के जंगली क्षेत्र में पुलिस वाहन को उड़ाने के लिए लैंड माइंस लगाने में सक्रिय था। उस दौरान वह पुलिस को चकमा देकर भाग निकला था।

जदयू की लालू को चुनौती, करा लें खून की जांच

पटना। जदयू प्रवक्ताओं ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के बयान पर पलटवार करते हुए उन्हें चुनौती दी कि वे लैब और तिथि बताएं, उनके साथ हम खून की जांच कराने को तैयार हैं। कहा कि हम उनके घर की और वे हमारे घर की जांच कर लें, पता चल जाएगा किसके घर में शराब है और कौन इसका सेवन करता है। इसके लिए एसएसपी की जरूरत नहीं है।

शुक्रवार को जदयू दफ्तर में मुख्य प्रवक्ता संजय सिंह, प्रवक्ता नीरज कुमार व निखिल मंडल ने प्रेस कांफ्रेंस कर तेजस्वी की एक युवती के साथ तस्वीर मीडिया के सामने लाकर उनपर ताबड़तोड़ आरोप लगाए। कहा कि राजद सुप्रीमो बताएं कि ये युवती कौन है तथा तेजस्वी के पीछे शराब की बोतल क्यों है संजय सिंह ने आरोप लगाया कि लालू प्रसाद और उनके सुपुत्र शराब का सेवन करते हैं। कहा कि तेजस्वी आधा सच बोल रहे हैं। वे लड़की का नाम तो बताएं। आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव बिहार के यूथ आइकन हैं तथा युवाओं को बता रहे हैं कि कैसे कम उम्र में पैसा अर्जित किया जाता है। 28 साल में सैकड़ों संपत्ति कैसे अर्जित की जाती है

प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि लालू यादव बताएं कि विपक्ष के नेता तेजस्वी दिल्ली जाते हैं तो बिहार निवास में क्यों नहीं रहते डेढ़ महीने के दिल्ली प्रवास में वे कहां रहे तेजस्वी के पीछे तस्वीर में शराब की बोतल क्या कर रही निखिल मंडल ने कहा कि तेजस्वी जैसा मौका किसी-किसी को मिलता है।

बेउर जेल में ईडी ने पहली बार चार घंटे तक लालकेश्वर और बच्चा राय से की पूछताछ

पटना.इंटर टॉपर घोटाला में बेउर जेल में बंद बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के पूर्व अध्यक्ष लालकेश्वर प्रसाद सिंह से ईडी ने पूछताछ की है। यही नहीं इसी मामले में इसी जेल में बंद इस घोटाला के माफिया बच्चा राय से भी पूछताछ की गई। ईडी के सहायक निदेशक और उनके साथ जेल पहुंचे दो अधिकारियों ने दोनों से पहली बार अलग-अगल करीब तीन से चार घंटे तक काली कमाई से अर्जित किए गए संपत्ति के बारे में 50-60 सवाल पूछे। पूछताछ के दौरान जेल के किसी अधिकारी या कर्मी वहां नहीं थे।

लड़की ने ब्वॉयफ्रेंड को बनाया लोकल गार्जियन, दूसरी ने आपत्ति जताई तो पीटा

भागलपुर.टीएनबी गर्लस हॉस्टल में गुरुवार को एक छात्रा ने दूसरे को पीट दिया। केमेस्ट्री विभाग की एक छात्रा ने अपने ब्वॉयफ्रेंड का नाम हॉस्टल में लोकल गार्जियन के रूप में दिया है। एक अन्य छात्रा ने जब इसपर आपत्ति उठाई तो ब्वॉयफ्रेंड का नाम देने वाली छात्रा ने उसके हाथ मरोड़ दिये। उसके बाल खींचे और थप्पड़ मारे। दूसरी छात्रा का आरोप है कि वह लड़की उसे सगा भाई बता रही है जबकि वह लड़का न तो उस लड़की की जाति से कोई ताल्लुक रखता है और न ही उसके गांव का है। पिटाई की जानकारी मिलते ही विवि थाना हॉस्टल पहुंची।

इससे पहले हॉस्टल के असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट अमरेंद्र झा हॉस्टल पहुंचे और छात्राओं को इज्जत का हवाला देकर पुलिस के सामने बयान न देने के लिए बाध्य किया। छात्रा ने पुलिस के सामने अपनी बात तो नहीं रखी मगर फूट फूटकर रो पड़ी। छात्राओं की मानें तो पीड़ित छात्रा को ब्लैक टीसी देने और दो आदमी को पीछे लगाने की धमकी देकर चुप करा दिया गया। पूरे मामले पर पर्दा डालते हुए कॉलेज प्रशासन ने इसे पढ़ाई में हुई झड़प बताया।

असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट का जींस नहीं पहनने का फरमान

असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट अमरेंद्र झा ने छात्राओं को हॉस्टल के प्रेयर के समय जींस नहीं पहनने का तुगलकी फरमान सुना रखा है। पूछने पर वह कहते हैं कि मैंने तो फिलहाल कठोरता कम कर दी है। पहले कॉलेज के बाहर भी जींस पहन कर जाने पर रोक लगा दी थी। मगर फिर यह सोचकर इजाजत दी कि 21वीं सदी का यही एक ड्रेस बचा है।

सूरत। चातुर्मास के दौरान चार महिनो तक शहर के अलग-अलग क्षेत्रो में ज्ञान की अमृत धारा बहाने के बाद शनिवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर जैन साधुओ ने प्रस्थान करना शुरु कर दिया है। नानपुरा स्थित दिवाली बाग में विराजीत पद्मदर्शन जी महाराज के साथ चातुर्मास परिवर्तन करते जैन मुनि एवं श्रद्धालु।

पुनागांव के युवक की रिक्शा चोरी

सूरत। पुनागांव के सरदार नगर निवासी बड़ गुज्जर परिवार के पेट की आग मिटाने का जरिया बनी उनकी 30 हजार की कीमत की ऑटो रिक्शा अनजान व्यक्ति चुराकर फरार हो गया होने का मामला सामने आया है। सरथाणा पुलिस के अनुसार पुनागांव के सरदार नगर सोसायटी निवासी सुरेश भाई राजधरभाई बड़गुज्जर(50 वर्ष) रिक्शा चालक है. उन्होंने 1 नवम्बर की रात में अपनी रिक्शा घर के पास पार्क कर रख्खी थी मध्यरात्रि दौरान अनजान चोर उचक्को ने पीड़ित की 30 हजार की कीमत की रिक्शा चुराकर फरार होगए हादसे की चलते पीड़ित की शिकायत पर सरथाणा पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जाँच शरू की है।

सूरत। शहर के जहांगीर पुरा स्थित इस्कोन मंदिर में शनिवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर तुलसी विवाह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर के मुख्य पुजारी सहित बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने तुलसी माता का विवाह ठाकुर जी के साथ विधि विधान से कराया।

सूरत। देव दिवाली के उपलक्ष्य में शनिवार को लाल दरवाजा क्षेत्र में मिट्टी के बर्तन व वस्तुओ का मेला लगाया गया। इस अवसर पर बड़ीं संख्या में श्रद्धालुओं ने मिट्टी के बर्तन व खिलौने खरीदे।

मरोली में बहनोई के हाथों साले की हत्या

सूत। अमरोली के भरथाना गाव स्थित शांती नगर निवासी युवक की उसके ही बहनोई ने गला घोंटकर हत्या कर दी होने का चौका देने वाला मामला सामने आया है पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर चन्द घंटो में आरोपी को बरोडा से गिरफ्तार किया है ।

पुलिस सूत्रों के अनुसार अमरोली के भरथाना गाव स्थित शांती नगर सोसायटी निवासी किशोर प्रेमाभाई राठौड (25 वर्ष) कुली था । किशोर राठौड़ अपने बहनोई दिनेश उर्फ दिनु बगाजी दायमा के साथ रहता था । 3 नवम्बर की अल सुबह बहनोई ओर साले के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था । इसी रंजिश के चलते दिनेश उर्फ दिनु ने क्रोधित होकर अपने साले किशोर को गर्दन से उठाकर ऊपर कर गला घोंटकर हत्या कर फरार हो गया । मामले की सूचना मिलते ही अमरोली थाना प्रभारी सहित पुलिस काफिला मोके पर पहुच कर स्थल का मुआयना कर मृतक के मित्र दिनेश उर्फ टीनिया बिहारी की शिकायत पर अमरोली पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी दिनेश उफ दिनु को चंद घंटों में बरोडा से गिरफ्तार किया है ।

जुआरी पर पुलिस की गाज, छह जने गिरफ्तार किया

सूरत। शहर की रांदेर पुलिस को सूचना मिलने पर थाना क्षेत्र के पालनपुर पाटिया स्थित दीनदयाल सोसायटी के एक मकान में चल रही जुए की क्लब पर छापा मारकर छह जुआरी ओको गिरफ्फतार किया है । पुलिस ने मौके पर से मोबाइल फोन, तीन बाइक तथा नगद सहित 1 लाख 27 हजार का मुद्दामाल जब्त किया है। रांदेर पुलिस के अनुसार स्टाफ के पुलिस कर्मियों को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के पालनपुर पाटिया स्थित दीनदयाल सोसायटी के एक मकान में पांच से छह जने जुआ खेल रहे है । सूचना के चलते पुलिस ने मौके पर छापा मारकर जुआ खेल रहे रांदेर के पालनपुर पटिया स्थित गंगानगर निवासी हरिलाल रवजी भाई परमार,रांदेर के पालनपुर जकातनाक स्थित संततुकाराम सोसायटी निवासी जगदीश नारण भाई राधवन,महेश बालुभाई परमार,अरुण अवसर भाई टांक,चंदु नानजीभाई पटेल तथा मनसुख लालजीभाई जावेिया सहित छह जने को गिरफ्तार किया है । पुलिस ने मौके पर से नगद,तीन बाइक तथा मोबाइल फोन सहित 1 लाख 27 हजार का मुद्दामाल जब्त किया है ।

गोपीपुरा में अधेड़ की जेब से मोबाईल चुराने वाला बदमाश गिरफफ्तार

सूरत। तीन दिन पूर्व गोपीपुरा मेन रोड पर से बाइक लेकर गुजर रहे एक अधेड़ की बाइक के साथ अनजान चोर उचक्कों ने अपनी बाइक की भिडन्त कर झगड़ा कर जेब से 6 हजार रुपए का मोबाईल चुराकर फरार हो गए आरोपी को अथवा पुलिस ने गिरफ्तार किया है ।

अठवालाइन्स पुलिस के अनुसार चोक बाजार के नानावट स्थित शाहपोर के अल फे इज पैलेस निवासी अब्दुल रहमान अब्दुल करीम व्होरा (53 वर्ष) व्यापारी है । 26 अक्टूबर की दोपहर वे अपनी बाइक लेकर गोपीपुरा मेन रोड पर से गुजर रहे थे इसी दौरान सामने से एक बाइक पर सवार होकर आए बदमाशों ने अपनी बाइक पीड़ित की बाइक के साथ भिडन्त कर अधेड़ के साथ झगड़ा कर जेब से 6 हजार रुपए का मोबाईल फोन चुराकर फरार हो गए । हादसे के चलते अधेड़ की शिकायत पर अठवालाइन्स पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की थी ।

युवक को चकमा देकर दो ठग 36 हाजार लेकर फरार

सूरत। सहारा दरवाजा स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इन्डिया में एक युवक के साथ 36 हजार की धोखाधड़ी हुई होने का मामला सामने आया है । पीड़ित ने बैंक के अपने एकाउन्ट से 36 हजार रुपए निकाले थे । उसी वक्त बैंक में उपस्थित दो ठगों ने पीड़ित को नकली नोट होने का झांसा देकर 2 हजार की 18 नॉट लेकर फरार हो गए ।सलाबतपुरा पुलिस के अनुसार भटार के राधे कृष्णा एपरमेन्ट निवासी आकाश अनिल भाई युग 21 रिंगरोड की टेक्सटाइल मार्केट में नोकरी कर परिवार का गुजारा करता है । आकाश का सहारा दरवाजा स्थित सेन्ट्रल बैंक ऑफ इन्डिया में सेविंग एकाउन्ट है ।

लिम्बायत में 3.40 लाख की चोरी

सूरत। लिंम्बायत के इरछाबा सोसायटी के एक मकान को दिनदहाड़े अनजान चोर उचक्को ने बंध मकान को निशाना बानाकर धर में प्रवेश कर कबात में रख्खे सोने चांदी के आभूषण व नगद सहित 3 लाख 40 हजार की चोरी कर फरार हो गए । पुलिस सूत्रों के अनुसार लिम्बायत के इरछाबा सोसायटी निवासी इनायत इब्राहिम भाई पटेल 38 व्यापारी है । 2 नवम्बर की शाम से 3 नवंम्बर की सुबह के दौरान अनजान चोर उचक्को ने बंध मकान को निशाना बनाया था चोरों ने बंध मकान के प्रवेश द्वारा को तोड़कर घर प्रवेश किया और कबाट में रखे नगद व सोने चांदी के आभूषण सहित 3 लाख 40 हजार की चोरी कर फरार हो गए । हादसे के चलते लिम्बायत पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है ।

पति की हत्या के मामले में पत्नी और उसके प्रेमी को उम्रकैद

भावनगर (ईएमएस)। यहां के सत्र न्यायालय ने पति की हत्या के मामले में पत्नी और उसके प्रेमी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही महिला के प्रेमी को एक लाख रुपए का जुर्माने का भी आदेश दिया है। भावनगर की मिल्ट्री सोसायटी निवासी नितुभा गोहिल अपने पत्नी इलाबा और बच्चों समेत जिले की घोघा तहसील के खाटडी गांव में रहते थे। इस दौरान दिव्यराजसिंह जशुभा गोहिल नामक शख्स का नितुभा के घर आना जाना था। नियमित आवागमन के चलते दिव्यराज और इलाबा का परिचय हुआ जो बाद में प्यार में बदल गया। एक-दूसरे से बातचीत के लिए दिव्यराज ने इलाबा को एक मोबाइल खरीद दिया। जिससे दोनों के बीच लंबी बातचीत और आए दिन मिलने लगे। 21 मार्च 2015 की रात इलाबा ने फोन कर दिव्यराज को मिल्ट्रीनगर स्थित अपने घर बुलाया। रात का समय था और इलाबा के पति नितुभा और बच्चे सो रहे थे। दिव्यराज और इलाबा बगल के कमरे में रंगरेलिया मना रहे थे। इस बीच नितुभा की आंख खुल गई और बगल के कमरे से आवाज आती सुन पूछा कौन है। नितुभा की आवाज सुनकर दिव्यराज बाथरूम में छिप गया। नितुभा बाथरूम की ओर लपके और दिव्यराज को दबोच लिया। दोनों एक दूसरे को मारने मरने पर उतारू हो गए। दिव्यराज ने नितुभा को जमीन गिरा और इलाबा की मदद से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद नीतुभा का शव एक बोरी में लेकर खाटडी गांव गए और झाडियों में छिपा दिया। बाद में तीक्ष्ण हथियार से शव के टुकड़े कर एक कुएं में डाल दिए। मृतक नितुभा के भाई जगदीशसिंह गोहिल की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर दिव्यराजसिंह और इलाबा को गिरफ्तार कर लिया। करीब डेढ साल पुराने इस मामले पर सुनवाई करते हुए भावनगर के अतिरिक्त डिस्ट्रीक्ट एन्ड सेशन्स जज एमजे परासर ने सरकारी वकील की दलीलें, 29 मौखिक सबूत, 50 दस्तावेजी प्रमाण और अन्य आधार सबूतों के आधार पर दिव्यराजसिंह गोहिल को दफा 302 के तहत आजीवन कारावास और एक लाख रुपए जुर्माने का आदेश दिया। जुर्माना नहीं भरने पर छह महीने की सजा, दफा 201 के तहत पांच साल की सजा और रु. 5000 जुर्माना, जुर्माना नहीं भरने पर अतिरिक्त छह महीने की सजा का आदेश दिया। वहीं इलाबा नितुबा गोहिल को दफा 302 के तहत आजीवन कारावास की सजा का आदेश दिया है।

दुष्कर्म मामले पर सजायाफ्ता नारायण सांई बोला-मैं भी चाहता हूं परिवर्तन

सूरत। साधिका पर दुष्कर्म के आरोप में जेल मे सजा भुगत रहे नारायण सांई को आज कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान उसने गुजरात के इलेक्शन में परिवर्तन के संबंध में सवाल के जवाब में कहा कि मैं भी परिवर्तन चाहता हूं। उसकी पार्टी इस बार चुनाव मैदान में उतरेगी या नहीं, इस पर उसने कुछ नहीं कहा। आसाराम के बाद साधिका से दुष्कर्म मामले में लाजपोर जेल में पिछले दो साल से अधिक समय से बंद नारायण सांई को आज जब कोर्ट में लाया गया, तब परिसर में उसने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं भी चाहता हूं कि बदलाव आए, इस सरकार को अब बदल देना चाहिए।

बदनाम करने के लिए भाजपा जारी कर सकती है मेरी सेक्स सीडी : हार्दिक

अहमदाबाद (ईएमएस)। पाटीदार आरक्षण आंदोलन के नेता हार्दिक पटेल ने दावा किया कि गुजरात विधानसभा चुनाव में बढ़त हासिल करने के लिए भाजपा सेक्स सीडी जारी कर उन्हें बदनाम करने का प्रयास कर सकती है। उन्होंने यह आशंका भी जताई कि गुजरात चुनाव में खराब वीवीपीएटी मशीनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा भाजपा राज्य विधानसभा चुनाव जीतने के लिए हर हथकंडा इस्तेमाल करेगी। हार्दिक पटेल ने कहा मुझे बदनाम करने के लिए भाजपा ने फर्जी सेक्स सीडी तैयार की है। इसे चुनाव से ठीक पहले जारी किया जाएगा। इससे ज्यादा भाजपा से और क्या अपेक्षा की जा सकती है। हार्दिक ने कहा इसलिए इंतजार करिए, देखिए और

आनंद लीजिए। आपको सीडी के बारे में कैसे पता चला के जवाब में उन्होंने कहा यही भाजपा की विशेषता है। उधर, हार्दिक के इस आरोप पर राज्य बीजेपी अध्यक्ष जीतू वघानी ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। हार्दिक पटेल ने यह भी आरोप लगाया है गुजरात चुनाव में खराब वीवीपीएटी मशीनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा चुनाव आयोग के पहले चरण की जांच में 3550 वीवीपीएटी मशीनें फेल हो गई हैं। हार्दिक ने कहा मैं पूरे दावे के साथ कह सकता हूं कि भाजपा गोलमाल करके ही अब चुनाव जीतने की कोशिश करेगी।

अक्षरधाम मंदिर पर हमले का मास्टर माइंड गिरफ्तार

अहमदाबाद। 15 साल पहले गांधीनगर के अक्षरधाम मंदिर पर हुए हमले के मुख्य आरोपी अब्दुल रशीद अजमेरी को अबुधाबी हवाई अड्डे से क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया। अब्दुल अजमेरी काफी समय से रियाद में छिपा हुआ था अहमदाबाद क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि अक्षरधाम मंदिर हमले का मास्टर माइंड अब्दुल रशीद अजमेरी आ रहा है। सूचना मिलते ही हरकत में आई क्राइम ब्रांच ने बिना किसी चूक के उसे अबुधाबी हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर लिया। गांधीनगर स्थित अक्षरधाम मंदिर में 15 साल पहले आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। हमले के बाद से मास्टर माइंड अब्दुल रशीद अजमेरी की तलाश की जा रही थी। पिछले काफी समय से अब्दुल अजमेरी क्राइम ब्रांच के रडार में था। सऊदी अरब के रियाद से अहमदाबाद लौटने के लिए अबु धाबी हवाई अड्डे पर पहुंचे अब्दुल रशीद अजमेरी को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। 24 सितंबर 2002 को गांधीनगर स्थित अक्षरधाम मंदिर में बंदूकधारियों ने घुसकर फायरिंग शुरू कर दिया था। इस फिदायनी हमले में 32 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इस हमले में एनएसजी कमांडो, पुलिस कॉन्सटेबल सहित कुल 3 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे।

हार्दिक पटेल ने डेडलाइन बढ़ाई, सोनिया गांधी के फैसले का करेंगे इंतजार

अहमदाबाद (ईएमएस)। पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) संयोजक हार्दिक पटेल ने एक बार कांग्रेस को दिए अल्टीमेटम की अवधि बढ़ा दी है। हार्दिक पटेल ने आज कांग्रेस और पास के बीच पाटीदारों के आरक्षण के मुद्दे पर कहा कि इसका फैसला अब कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी करेंगी। उन्होंने कहा कि आरक्षण को लेकर कानूनी तौर पर चर्चा चल रही है और विख्यात वकील व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जो गुजरात की भौगोलिक परिस्थिति से भलीभांति वाकिफ हैं, ने आरक्षण पर रिपोर्ट तैयार कर सोनिया गांधी को दी है। रिपोर्ट में दस्तावेजी प्रमाण और अन्य राज्यों की कानूनी स्थिति का उल्लेख किया गयाहै। आजादी के बाद गुजरात की बदली सामाजिक स्थिति का भी रिपोर्ट में उल्लेख है। कांग्रेस और स्थानीय सामाजिक नेताओं के साथ भी इस बारे में चर्चा की गई है। आरक्षण के बारे में 8 नवंबर तक कांग्रेस अपना रुख साफ कर देगी। गौरतलब है हार्दिक पटेल ने पहले 3 नवंबर तक आरक्षण पर अपना रुख साफ करने का कांग्रेस को अल्टीमेटम दिया था और ऐसा नहीं होने पर सूरत में अमित शाह की भांति राहुल गांधी की रैली में हंगामा करने की चेतावनी दी थी।

शहीद प्रदीप कुशवाहा की अंतिम यात्रा ने भिगो दी सभी की आंखें

अहमदाबाद। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा के सांबूरा में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़ में अहमदाबाद के प्रदीप सिंह कुशवाहा शहीद हो गए। उनके पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ शुक्रवार की शाम को अहमदाबाद एयरपोर्ट लाया गया। जहां शहीद को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। आज सुबह पूरे सम्मान के साथ शहीद की अंतिम यात्रा निकली, इसमें जो भी शामिल हुआ, खुद को रोने से रोक नहीं पाया।वीर शहीद की पूरे सैन्य सम्मान के साथ निकली अंतिम यात्रा मेघाणीनगर के भार्गव रोड स्थित घर से निकली। यहां लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोग अपने-अपने तरीके से शहीद को श्रद्धांजलि दे रहे थे। अंतिम यात्रा में शामिल होकर हरेक व्यक्ति गौरवान्वित महसूस कर रहा था।

हम चारों भाई आर्मी में जाना चाहते थे

शहीद के चाचा ने बताया कि हम चारों भाई आर्मी ज्वाइन करना चाहते थे। किंतु आर्थिक परिस्थितियों के कारण यह संभव नहीं हो पाया। इससे मेरे भाई के दोनों बेटे पिता की इच्छा से आर्मी से जुड़े। प्रदीप चाल साल से आर्मी से जुड़ा था। उसका छोटा भाई कुलदीप ने भी दो महीने पहले ही आर्मी ज्वाइन की है। अभी जबलपुर में उसकी ट्रेनिंग चल रही है। 40 दिन पहले ही प्रदीप की पोस्टिंग कश्मीर में हुई थी। इसके पहले नवरात्रि में उसका घर आना हुआ था।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com